ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. NO.- 526-528
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16, YEAR- June -2020

भारत में स्टार्टअप संस्कृति

डॉ0 राकेश कुमार ओझा
सहायक आचार्य
अर्थशास्त्र, महाविद्यालय भटवली बाजार (उनवल) गोरखपुर (उ0प्र0) भारत

Received-12.06.2020, Revised-20.06.2020, Accepted-26.06.2020 E-mail:rakeshojha.eco@gmail.com

***सारांशः** भारत में स्टार्टअप संस्कृति ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विकास किया है। विशेष रूप से वर्ष 2020 भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौतियों और अवसरों का मिश्रित काल रहा। कोविड–19 महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियों में मंदी आई, परन्तु इसी अवधि में डिजिटल प्रौद्योगिकी, ई–कॉमर्स, फिनटेक, एडटेक, हेल्थटेक तथा एग्रीटेक जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने नई संभावनाओं का सृजन किया। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनकर उभरा, जहाँ 2020 तक लगभग 37,000 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता प्राप्त हो चुकी थी। सरकार की "स्टार्टअप इंडिया" पहल, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम, नवाचार आधारित शिक्षा तथा निवेशकों की बढ़ती रुचि ने इस संस्कृति को मजबूत आधार प्रदान किया। स्टार्टअप्स ने रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार, क्षेत्रीय विकास तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रस्तुत लेख में भारत की स्टार्टअप संस्कृति के विकास, उसके प्रमुख आयामों, उपलब्धियों, चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है।*

कुंजी भूत शब्द – स्टार्टअप संस्कृति, पारिस्थितिकी तंत्र, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ई–कॉमर्स, फिनटेक, एडटेक, हेल्थटेक

प्रस्तावना– इक्कीसवीं शताब्दी को नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता का युग कहा जाता है। वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति ने व्यवसाय की पारंपरिक अवधारणाओं को बदल दिया है। आज आर्थिक विकास केवल बड़े उद्योगों पर निर्भर नहीं है, बल्कि नवोन्मेषी विचारों पर आधारित छोटे एवं मध्यम उद्यम भी विकास के प्रमुख वाहक बन चुके हैं। ऐसे नवाचार–आधारित उद्यमों को सामान्यतः "स्टार्टअप" कहा जाता है।

स्टार्टअप एक ऐसा नया व्यावसायिक संगठन होता है जो किसी समस्या का समाधान नवीन तकनीक, सेवा या उत्पाद के माध्यम से करने का प्रयास करता है। भारत में स्टार्टअप संस्कृति का वास्तविक विस्तार वर्ष 2016 में प्रारंभ हुई "स्टार्टअप इंडिया" योजना के बाद हुआ। इसका उद्देश्य युवाओं को नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि रोजगार सृजक बनाना था। वर्ष 2020 तक आते–आते भारत विश्व के प्रमुख स्टार्टअप केंद्रों में शामिल हो गया।

कोविड–19 महामारी के दौरान जहाँ अनेक उद्योग प्रभावित हुए, वहीं स्टार्टअप्स ने नवाचार एवं डिजिटल समाधानों के माध्यम से नई आर्थिक संभावनाएँ प्रस्तुत कीं। ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, डिजिटल भुगतान, ई–कॉमर्स तथा क्लाउड आधारित सेवाओं की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। इस प्रकार वर्ष 2020 भारतीय स्टार्टअप संस्कृति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ।

भारत में स्टार्टअप संस्कृति का विकास– भारत में स्टार्टअप संस्कृति का विकास कई सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी कारकों का परिणाम है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विस्तार, इंटरनेट की सुलभता, स्मार्टफोन क्रांति तथा युवा जनसंख्या ने इसके लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया।

वर्ष 2020 तक भारत में लगभग 26,000 से अधिक सक्रिय स्टार्टअप्स कार्यरत थे और भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका था। स्टार्टअप्स में निवेश, उद्यम पूंजी (Venture Capital) तथा एंजेल निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने इस विकास को गति प्रदान की।

सरकार द्वारा स्टार्टअप्स के लिए कर छूट, फंड ऑफ फंड्स, सरल पंजीकरण प्रक्रिया तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा जैसे कदम उठाए गए। परिणामस्वरूप स्टार्टअप संस्कृति महानगरों से निकलकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचने लगी।

स्टार्टअप इंडिया पहल और सरकारी समर्थन– वर्ष 2016 में आरंभ की गई Startup India योजना भारतीय स्टार्टअप संस्कृति की आधारशिला मानी जाती है। इस पहल के अंतर्गत सरकार ने उद्यमियों को वित्तीय, तकनीकी और कानूनी सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की। मुख्य प्रावधानों में शामिल हैं–

- स्टार्टअप पंजीकरण की सरल प्रक्रिया।
- तीन वर्षों तक आयकर में छूट।
- पेटेंट एवं ट्रेडमार्क पंजीकरण में सहायता।
- फंड ऑफ फंड्स योजना।
- इनक्यूबेशन केंद्रों की स्थापना।
- नवाचार आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहन।

वर्ष 2020 तक 37,000 से अधिक स्टार्टअप्स को डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्रदान की जा चुकी थी तथा हजारों उद्यमियों को इस योजना से लाभ प्राप्त हुआ।

भारतीय स्टार्टअप संस्कृति के प्रमुख क्षेत्र–

1. फिनटेकः भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार ने फिनटेक स्टार्टअप्स को अत्यधिक बढ़ावा दिया। यूपीआई आधारित भुगतान सेवाएँ, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अनेक नवाचार हुए।

2. एडटेक कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता बढ़ने से एडटेक क्षेत्र

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16, YEAR- June -2020

में तीव्र वृद्धि हुई। डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म छात्रों और शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण माध्यम बन गए।

3. हेल्थटेकः टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन परामर्श, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और स्वास्थ्य निगरानी सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई।

4. एग्रीटेकः कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों ने किसानों को बाजार, मौसम और उत्पादन संबंधी सूचनाएँ उपलब्ध कराईं। इससे कृषि उत्पादकता में सुधार की संभावनाएँ बढ़ीं।

5. ई–कॉमर्सः लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन खरीदारी में तेजी आई, जिससे ई–कॉमर्स स्टार्टअप्स को व्यापक अवसर प्राप्त हुए।

रोजगार सृजन में स्टार्टअप्स की भूमिका– भारत में बेरोजगारी एक गंभीर चुनौती रही है। स्टार्टअप्स ने रोजगार सृजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2020 तक लगभग 34,000 से अधिक स्टार्टअप्स ने प्रत्यक्ष रूप से 4.2 लाख से अधिक रोजगार अवसर उत्पन्न किए थे। बाद में यह संख्या और अधिक बढ़ी।

स्टार्टअप्स केवल प्रत्यक्ष रोजगार ही नहीं देते, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से आपूर्ति श्रृंखला, विपणन, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार उत्पन्न करते हैं। इस प्रकार वे समावेशी आर्थिक विकास के साधन बनते हैं।

नवाचार और तकनीकी विकास– स्टार्टअप संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू नवाचार है। भारतीय स्टार्टअप्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), डेटा एनालिटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं।

वर्ष 2020 में महामारी के दौरान अनेक स्टार्टअप्स ने स्वास्थ्य निगरानी, संपर्क अनुरेखण, ऑनलाइन शिक्षा तथा डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अभिनव समाधान प्रस्तुत किए।

कोविड–19 और स्टार्टअप संस्कृति– कोविड–19 महामारी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया। निवेश में कमी, मांग में गिरावट और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी समस्याएँ सामने आईं।

फिर भी स्टार्टअप्स ने संकट को अवसर में बदला। डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण अनेक स्टार्टअप्स ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। ऑनलाइन शिक्षा, दूरस्थ कार्य (Work from Home), डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएँ तथा ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म तेजी से विकसित हुए।

महामारी ने यह सिद्ध किया कि नवाचार आधारित उद्यम संकट के समय भी आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने में सक्षम हैं।

महिला उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति– भारतीय स्टार्टअप संस्कृति में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2020 तक भारत के 43 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स में कम–से–कम एक महिला निदेशक शामिल थी।

महिला उद्यमियों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, फैशन, ई–कॉमर्स तथा सामाजिक नवाचार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे लैंगिक समानता तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है।

भारतीय स्टार्टअप संस्कृति की चुनौतियाँ–

यद्यपि भारत में स्टार्टअप संस्कृति का तेजी से विकास हुआ है, फिर भी अनेक चुनौतियाँ विद्यमान हैं–

1. वित्तीय संसाधनों की कमीः प्रारंभिक चरण में निवेश प्राप्त करना कठिन होता है।

2. उच्च विफलता दरः अधिकांश स्टार्टअप्स पाँच वर्षों के भीतर बंद हो जाते हैं।

3. नियामकीय जटिलताएँः कई क्षेत्रों में अनुपालन संबंधी प्रक्रियाएँ अभी भी जटिल हैं।

4. कौशल अंतरालः उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन की कमी है।

5. अनुसंधान एवं विकास में कम निवेशः भारत में आर एंड डी पर व्यय विकसित देशों की तुलना में कम है।

6. क्षेत्रीय असमानताः अधिकांश स्टार्टअप्स अभी भी बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जैसे महानगरों में केंद्रित हैं।

भारतीय स्टार्टअप संस्कृति के भविष्य की संभावनाएँ– भारत में स्टार्टअप संस्कृति पिछले एक दशक में तेजी से विकसित हुई है। सरकारी नीतियों, डिजिटल क्रांति, बढ़ते इंटरनेट उपयोग, युवा उद्यमियों की संख्या तथा निवेशकों की बढ़ती रुचि ने भारत को विश्व के प्रमुख स्टार्टअप केंद्रों में स्थापित कर दिया है। भविष्य में भारतीय स्टार्टअप संस्कृति के और अधिक विस्तार की व्यापक संभावनाएँ दिखाई देती हैं।

भविष्य की संभावनाएँ भारत की विशाल युवा आबादी, बढ़ती डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट प्रसार और सरकारी समर्थन को देखते हुए स्टार्टअप संस्कृति का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा तकनीक, कृषि नवाचार, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा डीप–टेक क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध हैं। सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से नवाचार आधारित उद्यमिता को और प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

भविष्य में छोटे शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स उभरने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

1. डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तारः भारत में डिजिटल भुगतान, ई–कॉमर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग तथा फिनटेक क्षेत्रों में तीव्र विकास हो रहा है। इससे नए स्टार्टअप्स के लिए नवाचार और रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे।

2. सरकारी समर्थन और नीतिगत सुधारः Startup India, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया तथा मेक इन इंडिया जैसी योजनाएँ उद्यमिता को प्रोत्साहित कर रही हैं। भविष्य में कर–रियायतों, आसान ऋण सुविधाओं और नियामकीय सुधारों से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और मजबूत होगा।

3. ग्रामीण और कृषि स्टार्टअप्स का विकासः भारत की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। कृषि तकनीक (AgriTech), डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण तथा ग्रामीण ई–कॉमर्स से जुड़े स्टार्टअप्स किसानों की

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16, YEAR- June -2020

आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

4. रोजगार सृजन की क्षमता: स्टार्टअप्स प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार उत्पन्न कर रहे हैं। भविष्य में यह क्षेत्र युवाओं को रोजगार खोजने के बजाय रोजगार प्रदान करने वाला बनाने में सहायक होगा।

5. वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की भूमिका: भारतीय स्टार्टअप्स अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। तकनीकी नवाचार और लागत प्रभावी समाधान भारत को वैश्विक स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

6. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियाँ: AI, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, हेल्थटेक, एडटेक तथा ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए स्टार्टअप्स तेजी से उभरेंगे। ये क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक बन सकते हैं।

7. निवेश और यूनिकॉर्न कंपनियों में वृद्धि: घरेलू एवं विदेशी निवेशकों की बढ़ती भागीदारी भारतीय स्टार्टअप्स को पूंजी उपलब्ध कराएगी। इससे अधिक संख्या में यूनिकॉर्न कंपनियाँ (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली कंपनियाँ) विकसित होने की संभावना है।

चुनौतियाँ– हालाँकि भविष्य उज्ज्वल है, फिर भी वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, कौशल विकास, अनुसंधान एवं विकास में निवेश, वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा नियामकीय जटिलताएँ कुछ प्रमुख चुनौतियाँ बनी रहेंगी। इन चुनौतियों का समाधान दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक होगा।

निष्कर्ष– भारत में स्टार्टअप संस्कृति आर्थिक, सामाजिक एवं तकनीकी परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। वर्ष 2020, यद्यपि कोविड–19 महामारी के कारण चुनौतियों से भरा हुआ था, फिर भी भारतीय स्टार्टअप्स ने अपनी नवाचार क्षमता, अनुकूलनशीलता और उद्यमशीलता का परिचय दिया। स्टार्टअप इंडिया योजना, डिजिटल अवसंरचना, निवेशकों की भागीदारी तथा युवा शक्ति ने इस संस्कृति को सशक्त बनाया है।

भारतीय स्टार्टअप संस्कृति का भविष्य अत्यंत आशाजनक है। तकनीकी नवाचार, सरकारी सहयोग, निवेश की उपलब्धता और युवाओं की उद्यमशीलता भारत को विश्व की अग्रणी स्टार्टअप अर्थव्यवस्थाओं में स्थान दिला सकती है। यदि शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नवाचार को निरंतर बढ़ावा दिया जाए, तो स्टार्टअप संस्कृति भारत के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की महत्वपूर्ण आधारशिला बन सकती है।

स्टार्टअप्स ने रोजगार सृजन, नवाचार, तकनीकी विकास तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। हालाँकि वित्तपोषण, नियामकीय बाधाएँ और उच्च विफलता दर जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, परन्तु उचित नीतिगत समर्थन, अनुसंधान निवेश और कौशल विकास के माध्यम से इनका समाधान संभव है।

निष्कर्षतः, भारत की स्टार्टअप संस्कृति केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं है, बल्कि यह नवभारत के निर्माण, आत्मनिर्भरता तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश की सशक्त उपस्थिति का आधार भी है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. भारत सरकार, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), स्टार्टअप इंडिया रिपोर्ट। Startup India.
2. Department of Science and Technology (DST), Innovation, Entrepreneurship and Incubation Report, 2020.
3. Department of Science and Technology
4. Asian Development Bank, The Startup Environment and Funding Activity in India, 2020.
5. Asian Development Bank
6. Economic Survey of India 2020–21.
7. The Economic Times
8. Inc42, The State of Indian Startup Ecosystem Report 2020.
9. Inc42 Media
10. Ministry of Commerce and Industry, Government of India.
11. NITI Aayog Reports on Entrepreneurship and Innovation.
12. RBI Annual Report 2020–21.
13. Startup India Portal Publications.
14. विभिन्न शोध पत्र एवं जर्नल लेख, उद्यमिता एवं नवाचार अध्ययन।

*****